DISTRICT AGROMET ADVISORY SERVICE

DEPARTMENT OF AGRICULTURAL PHYSICS & METEOROLOGY
BIRSA AGRICULTURAL UNIVERSITY, KANKE, RANCHI – 834006

Ref.: 2/1 AAS / KANKE **Ph: 0651-2450624**

Date: 05.01.10 **Fax: 0651-2450073**

मौसम खेती परामर्श बुलेटिन रॉची एवं खुंटी जिला के लिए

(6 से 10 जनवरी के लिए)

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार अगले पॉच दिनों के लिए मौसम पूर्वानुमान

	6 जनवरी	7 जनवरी	8 जनवरी	9 जनवरी	10 जनवरी
वर्षा (मिलीमीटर)	0	0	0	0	0
आकाश में बादल की स्थिति	आकाश साफ रहेगा	आकाश साफ रहेगा	आकाश साफ रहेगा	आकाश साफ रहेगा	आकाश साफ रहेगा
अधिकतम तापमान का रूझान	-3	0	-1	+1	+1
न्युनतम तापमान का रूझान	-1	-1	+2	-1	+1
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत)	52-76	54-83	51-85	52-79	55-80
हवा की गति (कि.मी.प्रति घंटा)	9	7	7	4	6
हवा की दिशा	उत्तर पश्चिम की ओर से	पश्चिम की ओर से	उत्तर पश्चिम की ओर से	दक्षिण पश्चिम की ओर से	उत्तर पश्चिम की ओर से

मौसम पूर्वानुमान पर आधारित कृषि सलाह

	न्यूनतम तापमान के प्रतिकुल असर से फसल को बचाने के लिए मिट्टी में नमी की कमी नहीं होनी चाहिए। अत: इन फसलों में नियमित रूप से सिंचाई करते रहें।
गेहूँ	20 से 25 दिन पहले बोए गए गेहूँ की फसल में खर – पतवार नियंत्रित करने के बाद सिंचाई करें तथा सिंचाई के एक दिन बाद जब खेत में पैर रखने लायक हो जाए, तब युरिया का भुरकाव 22 किलोग्राम प्रति एकड. की दर से करें। जिन किसान भाइयों का गेहूँ की फसल 30 से 35 दिनों की हो गयी हो और खर - पतवार की समस्या हो तो वे किसान भाई इसके नियंत्रण के लिए खर - पतवार नाशी दवा का व्यवहार कर सकते हैं। इसके लिए आइसोप्रोटिरॉन (3 ग्राम प्रति लीटर पानी) एवं 2, 4 डी (2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी) दवा का छिडकाव करें।
चना	चना के फसल में बोआई के 30 से 40 दिनों बाद तथा फूल आने से पहले खोटाई (निपिंग) करें, इससे पौधे की बढवार रूक जाती है तथा अधिक से अधिक शाखाऍ निकलती है, जो ज्यादा से ज्यादा फूल एवं फली धारण करती है और फसल के उपज में भी वृद्धि होती है। साथ ही साथ खोटे गये पत्तियों को साग के रूप में बेचकर अतिरिक्त आय भी प्राप्त किया जा सकता है। ध्यान देने वाली बात यह है कि चने की खोटाई उन्हीं खेतों में करें जहॉ मिट्टी में ज्यादा नमी हो तथा पौधे की बढवार ज्यादा हो।
अरहर	अरहर की फसल में इस समय फली का बनना एवं इसमें दाने का भरना आरम्भ हो गया है। इस समय फसल में **फली छेदक कीडों** के आक्रमण की सम्भावना बहुत ज्यादा रहती है। अत: किसान भाई इसके रोकथाम के लिये मोनोक्रोटोफॉस (1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी की दर से) दवा का छिडकाव करें।
आलू	किसान भाई फसल में 10 दिनों के अन्तराल पर नियमित रूप से सिंचाई करते रहें तथा फसल में **पछेती अंगमारी रोग के** लक्षण को देखते ही दवा का छिडकाव करें। इस रोग के लक्षण (शुरूआत में पत्तियों के किनारे वाले भाग पर भूरे धब्वे का बनना शुरू होता है जो बाद में पौधे के अन्य भाग पर फैल जाता है) दिखाई पडने पर फसल में मैंकोजेब (2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से), साफ या इनटौप (2 ग्राम प्रति एकड की दर से) अथवा रिडोमिल (1.5 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से) दवा का छिडकाव करें। जिन खेतों में म्लानि (उकट्टा) रोग की समस्या है (जिनमें पौधे मुरझा जाते हैं) तो क्यारियों में ब्लिचिंग पाउडर (5 किलोग्राम प्रति एकड की दर से) का भुरकाव करें। आलू की फसल के बाद खाली हुए खेतों में किसान भाई **प्याज** की खेती कर सकते हैं। प्याज की उन्नत किस्म पूसा रतनार, पूसा रेड, अरका निकेतन, एन 53 इत्यादि को ही लगाऍ।
मटर	इस समय अगात मटर के फसल में चूर्णिल फफूँदी (पाउडरी मिल्डयु) रोग के आकमण की संभावना रहती है (जिसमें पत्तियों फलों एवं तने पर सफेद चूर्ण दिखाई देता है)। अत: किसान भाई इस रोग से बचाव के लिए फसल में **कैराथेन दवा** (1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी) अथवा **सल्फेक्स दवा** (3 ग्राम प्रति लीटर पानी) का छिडकाव करें।
अन्य	सरसों, मटर, सेम के फसल में **लाही** से बचाव के लिए मोनोसिल अथवा मेटासिसटाक्स दवा का छिडकाव 1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी की दर से करें।

(ए. वदूद)
नोडल आफिसर

DISTRICT AGROMET ADVISORY SERVICE

DEPARTMENT OF AGRICULTURAL PHYSICS & METEOROLOGY
BIRSA AGRICULTURAL UNIVERSITY, KANKE, RANCHI – 834006

Ref.: 2/1 AAS / KANKE **Ph: 0651-2450624**
Fax: 0651-2450073

Date: 05.01.10

मौसम खेती परामर्श बुलेटिन बोकारो जिला के लिए

(6 से 10 जनवरी के लिए)

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार अगले पॉच दिनों के लिए मौसम पूर्वानुमान

	6 जनवरी	7 जनवरी	8 जनवरी	9 जनवरी	10 जनवरी
वर्षा (मिलीमीटर)	0	0	0	0	0
आकाश में बादल की स्थिति	आकाश साफ रहेगा	आकाश साफ रहेगा	आकाश साफ रहेगा	आकाश साफ रहेगा	आकाश साफ रहेगा
अधिकतम तापमान का रूझान	-3	0	0	+1	+1
न्युनतम तापमान का रूझान	-1	-2	0	+1	0
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत)	54-83	54-89	52-90	51-91	53-88
हवा की गति (कि.मी.प्रति घंटा)	7	7	7	6	6
हवा की दिशा	उत्तर पश्चिम की ओर से	उत्तर पश्चिम की ओर से	उत्तर पश्चिम की ओर से	उत्तर पश्चिम की ओर से	उत्तर पश्चिम की ओर से

मौसम पूर्वानुमान पर आधारित कृषि सलाह

	न्यूनतम तापमान के प्रतिकुल असर से फसल को बचाने के लिए मिट्टी में नमी की कमी नहीं होनी चाहिए।अत: इन फसलों में नियमित रूप से सिंचाई करते रहें।
गेहूँ	20 से 25 दिन पहले बोए गए गेहूँ की फसल में खर – पतवार नियंत्रित करने के बाद सिंचाई करें तथा सिंचाई के एक दिन बाद जब खेत में पैर रखने लायक हो जाए, तब युरिया का भुरकाव 22 किलोग्राम प्रति एकड. की दर से करें। जिन किसान भाइयों का गेहूँ की फसल 30 से 35 दिनों की हो गयी हो और खर - पतवार की समस्या हो तो वे किसान भाई इसके नियंत्रण के लिए खर - पतवार नाशी दवा का व्यवहार कर सकते हैं। इसके लिए आइसोप्रोटिरॉन (3 ग्राम प्रति लीटर पानी) एवं 2, 4 डी (2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी) दवा का छिडकाव करें।
चना	चना के फसल में बोआई के 30 से 40 दिनों बाद तथा फूल आने से पहले खोटाई (निपिंग) करें, इससे पौधे की बढवार रूक जाती है तथा अधिक से अधिक शाखाएँ निकलती है, जो ज्यादा से ज्यादा फूल एवं फली धारण करती है और फसल के उपज में भी वृद्धि होती है। साथ ही साथ खोटे गये पत्तियों को साग के रूप में बेचकर अतिरिक्त आय भी प्राप्त किया जा सकता है। ध्यान देने वाली बात यह है कि चने की खोटाई उन्हीं खेतों में करें जहॉ मिट्टी में ज्यादा नमी हो तथा पौधे की बढवार ज्यादा हो।
अरहर	अरहर की फसल में इस समय फली का बनना एवं इसमें दाने का भरना आरम्भ हो गया है। इस समय फसल में **फली छेदक कीडों** के आक्रमण की सम्भावना बहुत ज्यादा रहती है।अत: किसान भाई इसके रोकथाम के लिये मोनोक्रोटोफॉस (1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी की दर से) दवा का छिडकाव करें।
आलू	किसान भाई फसल में 10 दिनों के अन्तराल पर नियमित रूप से सिंचाई करते रहें तथा फसल में **पछेती अंगमारी रोग के** लक्षण को देखते ही दवा का छिडकाव करें। इस रोग के लक्षण (शुरूआत में पत्तियों के किनारे वाले भाग पर भूरे धब्बे का बनना शुरू होता है जो बाद में पौधे के अन्य भाग पर फैल जाता है) दिखाई पडने पर फसल में मैंकोजेब (2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से), साफ या इनटौप (2 ग्राम प्रति एकड की दर से) अथवा रिडोमिल (1.5 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से) दवा का छिडकाव करें। जिन खेतों में म्लानि (उकट्टा) रोग की समस्या है (जिनमें पौधे मुरझा जाते हैं) तो क्यारियों में ब्लिचिंग पाउडर (5 किलोग्राम प्रति एकड की दर से) का भुरकाव करें। आलू की फसल के बाद खाली हुए खेतों में किसान भाई **प्याज** की खेती कर सकते हैं। प्याज की उन्नत किस्म पूसा रतनार, पूसा रेड, अरका निकेतन, एन 53 इत्यादि को ही लगाएँ।
मटर	इस समय अगात मटर के फसल में चूर्णिल फफूँदी (पाउडरी मिल्डयु) रोग के आक्रमण की संभावना रहती है (जिसमें पत्तियों फलों एवं तने पर सफेद चूर्ण दिखाई देता है)।अत: किसान भाई इस रोग से बचाव के लिए फसल में **कैराथेन दवा** (1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी) अथवा **सल्फेक्स दवा** (3 ग्राम प्रति लीटर पानी) का छिडकाव करें।
अन्य	सरसों, मटर, सेम के फसल में **लाही** से बचाव के लिए मोनोसिल अथवा मेटासिसटाक्स दवा का छिडकाव 1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी की दर से करें।

(ए. वदूद)
नोडल आफिसर

DISTRICT AGROMET ADVISORY SERVICE

DEPARTMENT OF AGRICULTURAL PHYSICS & METEOROLOGY
BIRSA AGRICULTURAL UNIVERSITY, KANKE, RANCHI – 834006

Ref.: 2/1 AAS / KANKE **Ph: 0651-2450624**

Date: 05.01.10 **मौसम खेती परामर्श बुलेटिन हजारीबाग एवं रामगढ जिला के लिए** **Fax: 0651-2450073**

(6 से 10 जनवरी के लिए)

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार अगले पॉच दिनों के लिए मौसम पूर्वानुमान

	6 जनवरी	**7 जनवरी**	**8 जनवरी**	**9 जनवरी**	**10 जनवरी**
वर्षा (मिलीमीटर)	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**
आकाश में बादल की स्थिति	आकाश साफ रहेगा	आकाश साफ रहेगा	आकाश साफ रहेगा	आकाश साफ रहेगा	आकाश साफ रहेगा
अधिकतम तापमान का रूझान	**-2**	**0**	**0**	**+1**	**+1**
न्युनतम तापमान का रूझान	**-3**	**0**	**+2**	**-1**	**+3**
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत)	**58-79**	**58-77**	**58-79**	**56-74**	**59-77**
हवा की गति (कि.मी.प्रति घंटा)	**9**	**7**	**7**	**4**	**9**
हवा की दिशा	उत्तर पश्चिम की ओर से	उत्तर पश्चिम की ओर से	पश्चिम की ओर से	उत्तर पश्चिम की ओर से	उत्तर पश्चिम की ओर से

मौसम पूर्वानुमान पर आधारित कृषि सलाह

	न्यूनतम तापमान के प्रतिकुल असर से फसल को बचाने के लिए मिट्टी में नमी की कमी नहीं होनी चाहिए|अत: इन फसलों में नियमित रूप से सिंचाई करते रहें|
गेहूँ	**20** से **25** दिन पहले बोए गए गेहूँ की फसल में खर – पतवार नियंत्रित करने के बाद सिंचाई करें तथा सिंचाई के एक दिन बाद जब खेत में पैर रखने लायक हो जाए, तब युरिया का भुरकाव **22** किलोग्राम प्रति एकड. की दर से करें| जिन किसान भाइयों का गेहूँ की फसल **30** से **35** दिनों की हो गयी हो और खर - पतवार की समस्या हो तो वे किसान भाई इसके नियंत्रण के लिए खर - पतवार नाशी दवा का व्यवहार कर सकते हैं| इसके लिए आइसोप्रोटिरॉन (**3** ग्राम प्रति लीटर पानी) एवं **2, 4** डी (**2.5** ग्राम प्रति लीटर पानी) दवा का छिडकाव करें|
चना	चना के फसल में बोआई के **30** से **40** दिनों बाद तथा फूल आने से पहले खोटाई (निपिंग) करें, इससे पौधे की बढवार रूक जाती है तथा अधिक से अधिक शाखाऍ निकलती है, जो ज्यादा से ज्यादा फूल एवं फली धारण करती है और फसल के उपज में भी वृद्धि होती है| साथ ही साथ खोटे गये पत्तियों को साग के रूप में बेचकर अतिरिक्त आय भी प्राप्त किया जा सकता है| ध्यान देने वाली बात यह है कि चने की खोटाई उन्हीं खेतों में करें जहॉ मिट्टी में ज्यादा नमी हो तथा पौधे की बढवार ज्यादा हो|
अरहर	अरहर की फसल में इस समय फली का बनना एवं इसमें दाने का भरना आरम्भ हो गया है| इस समय फसल में **फली छेदक कीडों** के आक्रमण की सम्भावना बहुत ज्यादा रहती है|अत: किसान भाई इसके रोकथाम के लिये मोनोक्रोटोफॉस (**1** मिलीलीटर प्रति लीटर पानी की दर से) दवा का छिडकाव करें|
आलू	किसान भाई फसल में **10** दिनों के अन्तराल पर नियमित रूप से सिंचाई करते रहें तथा फसल में **पछेती अंगमारी रोग के** लक्षण को देखते ही दवा का छिडकाव करें| इस रोग के लक्षण (शुरूआत में पत्तियों के किनारे वाले भाग पर भूरे धब्बे का बनना शुरू होता है जो बाद में पौधे के अन्य भाग पर फैल जाता है) दिखाई पडने पर फसल में मैंकोजेब (**2.5** ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से), साफ या इनटौप (**2** ग्राम प्रति एकड की दर से) अथवा रिडोमिल (**1.5** ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से) दवा का छिडकाव करें| जिन खेतों में म्लानि (उकट्टा) रोग की समस्या है (जिनमें पौधे मुरझा जाते हैं) तो क्यारियों में ब्लिचिंग पाउडर (**5** किलोग्राम प्रति एकड की दर से) का भुरकाव करें| आलू की फसल के बाद खाली हुए खेतों में किसान भाई **प्याज** की खेती कर सकते हैं| प्याज की उन्नत किस्म पूसा रतनार, पूसा रेड, अरका निकेतन, एन **53** इत्यादि को ही लगाऍ|
मटर	इस समय अगात मटर के फसल में चूर्णिल फफूँदी (पाउडरी मिल्डयु) रोग के आक्रमण की संभावना रहती है (जिसमें पत्तियों फलों एवं तने पर सफेद चूर्ण दिखाई देता है)|अत: किसान भाई इस रोग से बचाव के लिए फसल में **कैराथेन दवा** (**1** मिलीलीटर प्रति लीटर पानी) अथवा **सल्फेक्स दवा** (**3** ग्राम प्रति लीटर पानी) का छिडकाव करें|
अन्य	सरसों, मटर, सेम के फसल में **लाही** से बचाव के लिए मोनोसिल अथवा मेटासिसटाक्स दवा का छिडकाव **1** मिलीलीटर प्रति लीटर पानी की दर से करें|

(ए. वदूद)
नोडल आफिसर

DISTRICT AGROMET ADVISORY SERVICE

DEPARTMENT OF AGRICULTURAL PHYSICS & METEOROLOGY
BIRSA AGRICULTURAL UNIVERSITY, KANKE, RANCHI – 834006

Ref.: 2/1 AAS / KANKE **Ph: 0651-2450624**

Date: 05.01.10

मौसम खेती परामर्श बुलेटिन चतरा जिला के लिए

Fax: 0651-2450073

(6 से 10 जनवरी के लिए)

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार अगले पॉच दिनों के लिए मौसम पूर्वानुमान

	6 जनवरी	7 जनवरी	8 जनवरी	9 जनवरी	10 जनवरी
वर्षा (मिलीमीटर)	0	0	0	0	0
आकाश में बादल की स्थिति	आकाश साफ रहेगा	आकाश साफ रहेगा	आकाश साफ रहेगा	आकाश साफ रहेगा	आकाश साफ रहेगा
अधिकतम तापमान का रूझान	-3	0	+1	+1	0
न्युनतम तापमान का रूझान	-3	-1	+3	-1	+2
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत)	55-80	57-76	55-81	54-83	54-72
हवा की गति (कि.मी.प्रति घंटा)	7	4	2	2	6
हवा की दिशा	दक्षिण पश्चिम की ओर से	दक्षिण पूर्व की ओर से	दक्षिण पश्चिम की ओर से	दक्षिण पूर्व की ओर से	दक्षिण पश्चिम की ओर से

मौसम पूर्वानुमान पर आधारित कृषि सलाह

	न्यूनतम तापमान के प्रतिकुल असर से फसल को बचाने के लिए मिट्टी में नमी की कमी नहीं होनी चाहिए|अत: इन फसलों में नियमित रूप से सिंचाई करते रहें|
गेहूँ	20 से 25 दिन पहले बोए गए गेहूँ की फसल में खर – पतवार नियंत्रित करने के बाद सिंचाई करें तथा सिंचाई के एक दिन बाद जब खेत में पैर रखने लायक हो जाए, तब युरिया का भुरकाव 22 किलोग्राम प्रति एकड. की दर से करें| जिन किसान भाइयों का गेहूँ की फसल 30 से 35 दिनों की हो गयी हो और खर - पतवार की समस्या हो तो वे किसान भाई इसके नियंत्रण के लिए खर - पतवार नाशी दवा का व्यवहार कर सकते हैं| इसके लिए आइसोप्रोटिरॉन (3 ग्राम प्रति लीटर पानी) एवं 2, 4 डी (2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी) दवा का छिडकाव करें|
चना	चना के फसल में बोआई के 30 से 40 दिनों बाद तथा फूल आने से पहले खोटाई (निपिंग) करें, इससे पौधे की बढवार रूक जाती है तथा अधिक से अधिक शाखाएँ निकलती है, जो ज्यादा से ज्यादा फूल एवं फली धारण करती है और फसल के उपज में भी वृद्धि होती है| साथ ही साथ खोटे गये पत्तियों को साग के रूप में बेचकर अतिरिक्त आय भी प्राप्त किया जा सकता है| ध्यान देने वाली बात यह है कि चने की खोटाई उन्हीं खेतों में करें जहॉ मिट्टी में ज्यादा नमी हो तथा पौधे की बढवार ज्यादा हो|
अरहर	अरहर की फसल में इस समय फली का बनना एवं इसमें दाने का भरना आरम्भ हो गया है| इस समय फसल में **फली छेदक कीडों** के आकमण की सम्भावना वहुत ज्यादा रहती है|अत: किसान भाई इसके रोकथाम के लिये मोनोकोटोफॉस (1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी की दर से) दवा का छिडकाव करें|
आलू	किसान भाई फसल में 10 दिनों के अन्तराल पर नियमित रूप से सिंचाई करते रहें तथा फसल में **पछेती अंगमारी रोग के** लक्षण को देखते ही दवा का छिडकाव करें| इस रोग के लक्षण (शुरूआत में पत्तियों के किनारे वाले भाग पर भूरे धब्बे का बनना शुरू होता है जो बाद में पौधे के अन्य भाग पर फैल जाता है) दिखाई पडने पर फसल में मैंकोजेब (2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से), साफ या इनटौप (2 ग्राम प्रति एकड की दर से) अथवा रिडोमिल (1.5 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से) दवा का छिडकाव करें| जिन खेतों में म्लानि (उकट्टा) रोग की समस्या है (जिनमें पौधे मुरझा जाते हैं) तो क्यारियों में ब्लिचिंग पाउडर (5 किलोग्राम प्रति एकड की दर से) का भुरकाव करें| आलू की फसल के बाद खाली हुए खेतों में किसान भाई **प्याज** की खेती कर सकते हैं| प्याज की उन्नत किस्म पूसा रतनार, पूसा रेड, अरका निकेतन, एन 53 इत्यादि को ही लगाएँ|
मटर	इस समय अगात मटर के फसल में चूर्णिल फफूँदी (पाउडरी मिल्डयु) रोग के आकमण की संभावना रहती है (जिसमें पत्तियों फलों एवं तने पर सफेद चूर्ण दिखाई देता है)|अत: किसान भाई इस रोग से बचाव के लिए फसल में **कैराथेन दवा** (1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी) अथवा **सल्फेक्स दवा** (3 ग्राम प्रति लीटर पानी) का छिडकाव करें|
अन्य	सरसों, मटर, सेम के फसल में **लाही** से बचाव के लिए मोनोसिल अथवा मेटासिसटाक्स दवा का छिडकाव 1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी की दर से करें|

(ए. वदूद)
नोडल आफिसर

DISTRICT AGROMET ADVISORY SERVICE

DEPARTMENT OF AGRICULTURAL PHYSICS & METEOROLOGY
BIRSA AGRICULTURAL UNIVERSITY, KANKE, RANCHI – 834006

Ref.: 2/1 AAS / KANKE **Ph: 0651-2450624**

Date: 05.01.10

मौसम खेती परामर्श बुलेटिन गुमला एवं सिमडेगा जिला के लिए

Fax: 0651-2450073

(6 से 10 जनवरी के लिए)

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार अगले पॉच दिनों के लिए मौसम पूर्वानुमान

	6 जनवरी	7 जनवरी	8 जनवरी	9 जनवरी	10 जनवरी
वर्षा (मिलीमीटर)	0	0	0	0	0
आकाश में बादल की स्थिति	आकाश साफ रहेगा	आकाश साफ रहेगा	आकाश साफ रहेगा	आकाश साफ रहेगा	आकाश साफ रहेगा
अधिकतम तापमान का रूझान	-4	0	+1	0	+1
न्युनतम तापमान का रूझान	-2	+1	0	0	0
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत)	38-74	42-79	37-84	39-84	41-79
हवा की गति (कि.मी.प्रति घंटा)	9	9	7	6	6
हवा की दिशा	दक्षिण की ओर से	दक्षिण पूर्व की ओर से	दक्षिण पूर्व की ओर से	दक्षिण की ओर से	दक्षिण की ओर से

मौसम पूर्वानुमान पर आधारित कृषि सलाह

	न्यूनतम तापमान के प्रतिकुल असर से फसल को बचाने के लिए मिट्टी में नमी की कमी नहीं होनी चाहिए|अत: इन फसलों में नियमित रूप से सिंचाई करते रहें|
गेहूँ	20 से 25 दिन पहले बोए गए गेहूँ की फसल में खर – पतवार नियंत्रित करने के बाद सिंचाई करें तथा सिंचाई के एक दिन बाद जब खेत में पैर रखने लायक हो जाए, तब युरिया का भुरकाव 22 किलोग्राम प्रति एकड. की दर से करें| जिन किसान भाइयों का गेहूँ की फसल 30 से 35 दिनों की हो गयी हो और खर - पतवार की समस्या हो तो वे किसान भाई इसके नियंत्रण के लिए खर - पतवार नाशी दवा का व्यवहार कर सकते हैं| इसके लिए आइसोप्रोटिरॉन (3 ग्राम प्रति लीटर पानी) एवं 2, 4 डी (2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी) दवा का छिडकाव करें|
चना	चना के फसल में बोआई के 30 से 40 दिनों बाद तथा फूल आने से पहले खोटाई (निपिंग) करें, इससे पौधे की बढवार रूक जाती है तथा अधिक से अधिक शाखाएँ निकलती है, जो ज्यादा से ज्यादा फूल एवं फली धारण करती है और फसल के उपज में भी वृद्दि होती है| साथ ही साथ खोटे गये पत्तियों को साग के रूप में बेचकर अतिरिक्त आय भी प्राप्त किया जा सकता है| ध्यान देने वाली बात यह है कि चने की खोटाई उन्हीं खेतों में करें जहॉ मिट्टी में ज्यादा नमी हो तथा पौधे की बढवार ज्यादा हो|
अरहर	अरहर की फसल में इस समय फली का बनना एवं इसमें दाने का भरना आरम्भ हो गया है| इस समय फसल में **फली छेदक कीडों** के आकमण की सम्भावना बहुत ज्यादा रहती है|अत: किसान भाई इसके रोकथाम के लिये मोनोकोटोफॉस (1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी की दर से) दवा का छिडकाव करें|
आलू	किसान भाई फसल में 10 दिनों के अन्तराल पर नियमित रूप से सिंचाई करते रहें तथा फसल में **पछेती अंगमारी रोग के** लक्षण को देखते ही दवा का छिडकाव करें| इस रोग के लक्षण (शुरूआत में पत्तियों के किनारे वाले भाग पर भूरे धब्बे का बनना शुरू होता है जो बाद में पौधे के अन्य भाग पर फैल जाता है) दिखाई पडने पर फसल में मैंकोजेब (2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से), साफ या इनटौप (2 ग्राम प्रति एकड की दर से) अथवा रिडोमिल (1.5 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से) दवा का छिडकाव करें| जिन खेतों में म्लानि (उकट्टा) रोग की समस्या है (जिनमें पौधे मुरझा जाते हैं) तो क्यारियों में ब्लिचिंग पाउडर (5 किलोग्राम प्रति एकड की दर से) का भुरकाव करें| आलू की फसल के बाद खाली हुए खेतों में किसान भाई **प्याज** की खेती कर सकते हैं| प्याज की उन्नत किस्म पूसा रतनार, पूसा रेड, अरका निकेतन, एन 53 इत्यादि को ही लगाएँ|
मटर	इस समय अगात मटर के फसल में चूर्णिल फफूँदी (पाउडरी मिल्डयु) रोग के आकमण की संभावना रहती है (जिसमें पत्तियों फलों एवं तने पर सफेद चूर्ण दिखाई देता है)|अत: किसान भाई इस रोग से बचाव के लिए फसल में **कैराथेन दवा** (1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी) अथवा **सल्फेक्स दवा** (3 ग्राम प्रति लीटर पानी) का छिडकाव करें|
अन्य	सरसों, मटर, सेम के फसल में **लाही** से बचाव के लिए मोनोसिल अथवा मेटासिसटाक्स दवा का छिडकाव 1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी की दर से करें|

(ए. वदूद)
नोडल आफिसर

DISTRICT AGROMET ADVISORY SERVICE

DEPARTMENT OF AGRICULTURAL PHYSICS & METEOROLOGY
BIRSA AGRICULTURAL UNIVERSITY, KANKE, RANCHI – 834006

Ref.: 2/1 AAS / KANKE **Ph: 0651-2450624**

Date: 05.01.10 **Fax: 0651-2450073**

मौसम खेती परामर्श बुलेटिन लोहरदग्गा जिला के लिए

(6 से 10 जनवरी के लिए)

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार अगले पॉच दिनों के लिए मौसम पूर्वानुमान

	6 जनवरी	7 जनवरी	8 जनवरी	9 जनवरी	10 जनवरी
वर्षा (मिलीमीटर)	0	0	0	0	0
आकाश में बादल की स्थिति	आकाश साफ रहेगा	आकाश साफ रहेगा	आकाश साफ रहेगा	आकाश साफ रहेगा	आकाश साफ रहेगा
अधिकतम तापमान का रूझान	-3	+1	0	+1	+1
न्युनतम तापमान का रूझान	-1	-1	+3	-1	+1
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत)	53-76	56-79	50-80	51-76	57-74
हवा की गति (कि.मी.प्रति घंटा)	11	7	7	4	7
हवा की दिशा	उत्तर पश्चिम की ओर से	उत्तर पश्चिम की ओर से	उत्तर पश्चिम की ओर से	उत्तर पश्चिम की ओर से	उत्तर पश्चिम की ओर से

मौसम पूर्वानुमान पर आधारित कृषि सलाह

	न्यूनतम तापमान के प्रतिकुल असर से फसल को बचाने के लिए मिट्टी में नमी की कमी नहीं होनी चाहिए।अत: इन फसलों में नियमित रूप से सिंचाई करते रहें।
गेहूँ	20 से 25 दिन पहले बोए गए गेहूँ की फसल में खर – पतवार नियंत्रित करने के बाद सिंचाई करें तथा सिंचाई के एक दिन बाद जब खेत में पैर रखने लायक हो जाए, तब युरिया का भुरकाव 22 किलोग्राम प्रति एकड. की दर से करें। जिन किसान भाइयों का गेहूँ की फसल 30 से 35 दिनों की हो गयी हो और खर - पतवार की समस्या हो तो वे किसान भाई इसके नियंत्रण के लिए खर - पतवार नाशी दवा का व्यवहार कर सकते हैं। इसके लिए आइसोप्रोटिरॉन (3 ग्राम प्रति लीटर पानी) एवं 2, 4 डी (2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी) दवा का छिडकाव करें।
चना	चना के फसल में बोआई के 30 से 40 दिनों बाद तथा फूल आने से पहले खोटाई (निपिंग) करें, इससे पौधे की बढवार रूक जाती है तथा अधिक से अधिक शाखाऐं निकलती है, जो ज्यादा से ज्यादा फूल एवं फली धारण करती है और फसल के उपज में भी वृद्धि होती है। साथ ही साथ खोटे गये पत्तियों को साग के रूप में बेचकर अतिरिक्त आय भी प्राप्त किया जा सकता है। ध्यान देने वाली बात यह है कि चने की खोटाई उन्हीं खेतों में करें जहॉ मिट्टी में ज्यादा नमी हो तथा पौधे की बढवार ज्यादा हो।
अरहर	अरहर की फसल में इस समय फली का बनना एवं इसमें दाने का भरना आरम्भ हो गया है। इस समय फसल में **फली छेदक कीडों** के आकमण की सम्भावना वहुत ज्यादा रहती है।अत: किसान भाई इसके रोकथाम के लिये मोनोकोटोफॉस (1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी की दर से) दवा का छिडकाव करें।
आलू	किसान भाई फसल में 10 दिनों के अन्तराल पर नियमित रूप से सिंचाई करते रहें तथा फसल में **पछेती अंगमारी रोग के** लक्षण को देखते ही दवा का छिडकाव करें। इस रोग के लक्षण (शुरूआत में पत्तियों के किनारे वाले भाग पर भूरे धब्बे का बनना शुरू होता है जो बाद में पौधे के अन्य भाग पर फैल जाता है) दिखाई पडने पर फसल में मैंकोजेब (2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से), साफ या इनटौप (2 ग्राम प्रति एकड की दर से) अथवा रिडोमिल (1.5 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से) दवा का छिडकाव करें। जिन खेतों में म्लानि (उकट्टा) रोग की समस्या है (जिनमें पौधे मुरझा जाते हैं) तो क्यारियों में ब्लिचिंग पाउडर (5 किलोग्राम प्रति एकड की दर से) का भुरकाव करें। आलू की फसल के बाद खाली हुए खेतों में किसान भाई **प्याज** की खेती कर सकते हैं। प्याज की उन्नत किस्म पूसा रतनार, पूसा रेड, अरका निकेतन, एन 53 इत्यादि को ही लगाऐं।
मटर	इस समय अगात मटर के फसल में चूर्णिल फफूँदी (पाउडरी मिल्डयु) रोग के आकमण की संभावना रहती है (जिसमें पत्तियों फलों एवं तने पर सफेद चूर्ण दिखाई देता है)।अत: किसान भाई इस रोग से बचाव के लिए फसल में **कैराथेन दवा** (1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी) अथवा **सल्फेक्स दवा** (3 ग्राम प्रति लीटर पानी) का छिडकाव करें।
अन्य	सरसों, मटर, सेम के फसल में **लाही** से बचाव के लिए मोनोसिल अथवा मेटासिसटाक्स दवा का छिडकाव 1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी की दर से करें।

(ए. वदूद)
नोडल आफिसर

DISTRICT AGROMET ADVISORY SERVICE

DEPARTMENT OF AGRICULTURAL PHYSICS & METEOROLOGY
BIRSA AGRICULTURAL UNIVERSITY, KANKE, RANCHI – 834006

Ref.: 2/1 AAS / KANKE **Ph: 0651-2450624**

Date: 05.01.10 **Fax: 0651-2450073**

मौसम खेती परामर्श बुलेटिन पलामु जिला के लिए

(6 से 10 जनवरी के लिए)

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार अगले पॉच दिनों के लिए मौसम पूर्वानुमान

	6 जनवरी	7 जनवरी	8 जनवरी	9 जनवरी	10 जनवरी
वर्षा (मिलीमीटर)	0	0	0	0	0
आकाश में बादल की स्थिति	आकाश साफ रहेगा	आकाश साफ रहेगा	आकाश साफ रहेगा	आकाश साफ रहेगा	आकाश साफ रहेगा
अधिकतम तापमान का रूझान	-3	0	0	+1	+1
न्युनतम तापमान का रूझान	-3	0	-1	+1	0
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत)	50-80	51-84	49-89	48-90	47-78
हवा की गति (कि.मी.प्रति घंटा)	6	2	4	2	4
हवा की दिशा	दक्षिण पश्चिम की ओर से	दक्षिण की ओर से	दक्षिण की ओर से	दक्षिण की ओर से	दक्षिण पश्चिम की ओर से

मौसम पूर्वानुमान पर आधारित कृषि सलाह

	न्यूनतम तापमान के प्रतिकुल असर से फसल को बचाने के लिए मिट्टी में नमी की कमी नहीं होनी चाहिए।अत: इन फसलों में नियमित रूप से सिंचाई करते रहें।
गेहूँ	20 से 25 दिन पहले बोए गए गेहूँ की फसल में खर – पतवार नियंत्रित करने के बाद सिंचाई करें तथा सिंचाई के एक दिन बाद जब खेत में पैर रखने लायक हो जाए, तब युरिया का भुरकाव 22 किलोग्राम प्रति एकड. की दर से करें। जिन किसान भाइयों का गेहूँ की फसल 30 से 35 दिनों की हो गयी हो और खर - पतवार की समस्या हो तो वे किसान भाई इसके नियंत्रण के लिए खर - पतवार नाशी दवा का व्यवहार कर सकते हैं। इसके लिए आइसोप्रोटिरॉन (3 ग्राम प्रति लीटर पानी) एवं 2, 4 डी (2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी) दवा का छिडकाव करें।
चना	चना के फसल में बोआई के 30 से 40 दिनों बाद तथा फूल आने से पहले खोटाई (निपिंग) करें, इससे पौधे की बढवार रूक जाती है तथा अधिक से अधिक शाखाऍ निकलती है, जो ज्यादा से ज्यादा फूल एवं फली धारण करती है और फसल के उपज में भी वृद्धि होती है। साथ ही साथ खोटे गये पत्तियों को साग के रूप में बेचकर अतिरिक्त आय भी प्राप्त किया जा सकता है। ध्यान देने वाली बात यह है कि चने की खोटाई उन्हीं खेतों में करें जहॉ मिट्टी में ज्यादा नमी हो तथा पौधे की बढवार ज्यादा हो।
अरहर	अरहर की फसल में इस समय फली का बनना एवं इसमें दाने का भरना आरम्भ हो गया है। इस समय फसल में **फली छेदक कीडों** के आकमण की सम्भावना बहुत ज्यादा रहती है।अत: किसान भाई इसके रोकथाम के लिये मोनोकोटोफॉस (1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी की दर से) दवा का छिडकाव करें।
आलू	किसान भाई फसल में 10 दिनों के अन्तराल पर नियमित रूप से सिंचाई करते रहें तथा फसल में **पछेती अंगमारी रोग के** लक्षण को देखते ही दवा का छिडकाव करें। इस रोग के लक्षण (शुरूआत में पत्तियों के किनारे वाले भाग पर भूरे धब्बे का बनना शुरू होता है जो बाद में पौधे के अन्य भाग पर फैल जाता है) दिखाई पडने पर फसल में मैंकोजेब (2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से), साफ या इनटौप (2 ग्राम प्रति एकड की दर से) अथवा रिडोमिल (1.5 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से) दवा का छिडकाव करें। जिन खेतों में म्लानि (उकट्टा) रोग की समस्या है (जिनमें पौधे मुरझा जाते हैं) तो क्यारियों में ब्लिचिंग पाउडर (5 किलोग्राम प्रति एकड की दर से) का भुरकाव करें। आलू की फसल के बाद खाली हुए खेतों में किसान भाई **प्याज** की खेती कर सकते हैं। प्याज की उन्नत किस्म पूसा रतनार, पूसा रेड, अरका निकेतन, एन 53 इत्यादि को ही लगाऍ।
मटर	इस समय अगात मटर के फसल में चूर्णिल फफूंदी (पाउडरी मिल्डयु) रोग के आकमण की संभावना रहती है (जिसमें पत्तियों फलों एवं तने पर सफेद चूर्ण दिखाई देता है)।अत: किसान भाई इस रोग से बचाव के लिए फसल में **कैराथेन दवा** (1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी) अथवा **सल्फेक्स दवा** (3 ग्राम प्रति लीटर पानी) का छिडकाव करें।
अन्य	सरसों, मटर, सेम के फसल में **लाही** से बचाव के लिए मोनोसिल अथवा मेटासिसटाक्स दवा का छिडकाव 1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी की दर से करें।

(ए. वदूद)
नोडल आफिसर

DISTRICT AGROMET ADVISORY SERVICE

DEPARTMENT OF AGRICULTURAL PHYSICS & METEOROLOGY
BIRSA AGRICULTURAL UNIVERSITY, KANKE, RANCHI – 834006

Ref.: 2/1 AAS / KANKE **Ph:0651-2450624**

Date: 05.01.10 **मौसम खेती परामर्श बुलेटिन गढवा एवं लातेहार जिला के लिए** **Fax: 0651-2450073**

(6 से 10 जनवरी के लिए)

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार अगले पॉच दिनों के लिए मौसम पूर्वानुमान

	6 जनवरी	7 जनवरी	8 जनवरी	9 जनवरी	10 जनवरी
वर्षा (मिलीमीटर)	0	0	0	0	0
आकाश में बादल की स्थिति	आकाश साफ रहेगा	आकाश साफ रहेगा	आकाश साफ रहेगा	आकाश साफ रहेगा	आकाश साफ रहेगा
अधिकतम तापमान का रूझान	-3	0	0	+1	+1
न्युनतम तापमान का रूझान	-3	0	+3	0	-1
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत)	51-84	51-81	50-86	47-85	44-83
हवा की गति (कि.मी.प्रति घंटा)	6	2	2	4	4
हवा की दिशा	पश्चिम की ओर से	दक्षिण पश्चिम की ओर से	दक्षिण पश्चिम की ओर से	दक्षिण पश्चिम की ओर से	पश्चिम की ओर से

मौसम पूर्वानुमान पर आधारित कृषि सलाह

	न्यूनतम तापमान के प्रतिकुल असर से फसल को बचाने के लिए मिट्टी में नमी की कमी नहीं होनी चाहिए।अत: इन फसलों में नियमित रूप से सिंचाई करते रहें।
गेहूँ	20 से 25 दिन पहले बोए गए गेहूँ की फसल में खर – पतवार नियंत्रित करने के बाद सिंचाई करें तथा सिंचाई के एक दिन बाद जब खेत में पैर रखने लायक हो जाए, तब युरिया का भुरकाव 22 किलोग्राम प्रति एकड. की दर से करें। जिन किसान भाइयों का गेहूँ की फसल 30 से 35 दिनों की हो गयी हो और खर - पतवार की समस्या हो तो वे किसान भाई इसके नियंत्रण के लिए खर - पतवार नाशी दवा का व्यवहार कर सकते हैं। इसके लिए आइसोप्रोटिरॉन (3 ग्राम प्रति लीटर पानी) एवं 2, 4 डी (2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी) दवा का छिडकाव करें।
चना	चना के फसल में बोआई के 30 से 40 दिनों बाद तथा फूल आने से पहले खोटाई (निपिंग) करें, इससे पौधे की बढवार रूक जाती है तथा अधिक से अधिक शाखाएँ निकलती है, जो ज्यादा से ज्यादा फूल एवं फली धारण करती है और फसल के उपज में भी वृद्धि होती है। साथ ही साथ खोटे गये पत्तियों को साग के रूप में बेचकर अतिरिक्त आय भी प्राप्त किया जा सकता है। ध्यान देने वाली बात यह है कि चने की खोटाई उन्हीं खेतों में करें जहॉ मिट्टी में ज्यादा नमी हो तथा पौधे की बढवार ज्यादा हो।
अरहर	अरहर की फसल में इस समय फली का बनना एवं इसमें दाने का भरना आरम्भ हो गया है। इस समय फसल में **फली छेदक कीडों** के आक्रमण की सम्भावना बहुत ज्यादा रहती है।अत: किसान भाई इसके रोकथाम के लिये मोनोकोटोफॉस (1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी की दर से) दवा का छिडकाव करें।
आलू	किसान भाई फसल में 10 दिनों के अन्तराल पर नियमित रूप से सिंचाई करते रहें तथा फसल में **पछेती अंगमारी रोग के** लक्षण को देखते ही दवा का छिडकाव करें। इस रोग के लक्षण (शुरूआत में पत्तियों के किनारे वाले भाग पर भूरे धब्बे का बनना शुरू होता है जो बाद में पौधे के अन्य भाग पर फैल जाता है) दिखाई पडने पर फसल में मैंकोजेब (2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से), साफ या इनटौप (2 ग्राम प्रति एकड की दर से) अथवा रिडोमिल (1.5 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से) दवा का छिडकाव करें। जिन खेतों में म्लानि (उकट्टा) रोग की समस्या है (जिनमें पौधे मुरझा जाते हैं) तो क्यारियों में ब्लिचिंग पाउडर (5 किलोग्राम प्रति एकड की दर से) का भुरकाव करें। आलू की फसल के बाद खाली हुए खेतों में किसान भाई **प्याज** की खेती कर सकते हैं। प्याज की उन्नत किस्म पूसा रतनार, पूसा रेड, अरका निकेतन, एन 53 इत्यादि को ही लगाएँ।
मटर	इस समय अगात मटर के फसल में चूर्णिल फफूंदी (पाउडरी मिल्डयु) रोग के आक्रमण की संभावना रहती है (जिसमें पत्तियों फलों एवं तने पर सफेद चूर्ण दिखाई देता है)।अत: किसान भाई इस रोग से बचाव के लिए फसल में **कैराथेन दवा** (1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी) अथवा **सल्फेक्स दवा** (3 ग्राम प्रति लीटर पानी) का छिडकाव करें।
अन्य	सरसों, मटर, सेम के फसल में **लाही** से बचाव के लिए मोनोसिल अथवा मेटासिसटाक्स दवा का छिडकाव 1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी की दर से करें।

(ए. वदूद)
नोडल आफिसर